

**श्री छविराम अग्रवाल :** दो हजार की आबादी वाले ऐसे कितने गांव हैं जहां पर पंचायत कार्यालय है, थाना है, लेकिन टेलिफोन और पोस्ट आफिस की सुविधा नहीं है क्या इस को वहां पर उपलब्ध करा दिया जायगा ?

**श्री बृज लाल वर्मा :** मैं जानना चाहता हूँ कि हमारी योजना है कि सारी ग्राम पंचायतों में हम 10 वर्षों में पोस्ट आफिस खोल दें । अभी तक बहुत सारे ग्राम पंचायतों में, और बहुत सी बड़ी बड़ी जगहों में पोस्ट आफिस नहीं है ।

**श्री रामधारी शास्त्री :** क्या मंत्री जी सदन को आश्वासन देंगे कि जितने भी डाकखाने खुल गए हैं उन में अगले दो सालों में तार सम्बन्ध स्थापित हो जायगा ?

**श्री बृज लाल वर्मा :** तार का सम्बन्ध स्थापित करने के लिए हम ने एक अलग योजना बनायी है और उस के अन्तर्गत जितने भी ढाई हजार और पांच हजार आबादी के गांव हैं उन सब में हम तार की योजना दो साल के अन्दर पूरी कर देंगे ।

**SHRI VIJAYKUMAR N. PATIL :** May I know from the hon. Minister whether he is thinking of reducing the rates of telephone connections in the rural areas, which are from urban exchanges? Secondly, may I know the number of the PBX Centres which are proposed to be opened next year?

**श्री बृज लाल वर्मा :** अध्यक्ष महोदय , हम दो साल के अन्दर गांवों के अन्तर्गत 4,000 पी० सी० ओख खोल रहे हैं ।

#### Opening of New Post Offices in Maharashtra

\*65. **SHRI R. K. MHALGI :** Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is a shortage of Post Offices especially in rural areas and in backward localities of the urban areas in several districts of Maharashtra;

(b) if so, whether Government propose to open new Post Offices in the State in the near future i.e. within a year; and

(c) if so, the details thereof?

**संचार मंत्री ( श्री बृजलाल वर्मा ) :**

(क) सरकार डाक सुविधाओं के अभाव से पूरी तरह परिचित है । ग्राम ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सुविधाओं के विकास पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है । इस से डाक सुविधाओं का अभाव भी सुनियोजित ढंग से दूर हो रहा है ।

(ख) और (ग) नए डाकघर खोलने के लिए कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं । ये मानदंड पूरे होने और निधिगत उपलब्ध होने पर नए डाकघर निरन्तर खोले जा रहे हैं । ऐसा प्रस्ताव है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 236 डाकघर और शहरी क्षेत्रों में 20 डाकघर खोल दिये जाएं । इन के अलावा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य में चलते फिरते डाकघरों के जरिए 3000 अतिरिक्त गांवों में डाक सुविधाएं दी जाएंगी तथा गांवों में 5000 लैटर बक्स लगाए जाएंगे ।

**SHRI R. K. MHALGI :** May I know from the hon. Minister in how many villages in Maharashtra State such post offices had been opened since the last thirty years?

**SHRI BRIJ LAL VERMA :** I have not got the figures with me at present. But, I can say that in all Gram Panchayats of your State, within ten years, there will be post offices.

**SHRI R. K. MHALGI :** My second supplementary is this. I want to know whether the mobile post offices

in bicycles will be in addition to tempo and taxi post offices.

**SHRI BRIJ LAL VERMA:** We are giving postal facilities in 3,000 villages this year only in Maharashtra.

**SHRI R. K. MHALGI:** My question is: whether the mobile post offices include Tempo and Taxi Post offices also apart from the bicycles post offices.

**श्री मनी राम बागड़ी :** अध्यक्ष महोदय, डाक की सुविधाएँ सिर्फ शहरों और बड़े लोगों के लिये शुरू से हैं, वह चाहे शहनशाही जमाना हो या कोई दौर हो और चाहे आज, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूँगा कि वह जो लम्बे प्रदर्शनी के पुराने तरीके थे, उन से बदलकर, बड़े पैमाने के नहीं, गांधी जी के विचार से छोटे पैमाने पर, ऊपर से नहीं, नीचे से, चाहे एक गांव में एक घर भी हो, वहाँ लैटर बाक्स लगें और वहाँ डाकिया, साइकिल पर या पैदल, रोज लोगों को तार और चिट्ठी पहुंचाये, क्या ऐसा प्रोग्राम सरकार बनाने वाली है या नहीं ?

मंत्री जी ने जो 5 हजार लैटर बाक्स लगाने की बात कही, क्या वह इस सदन को और इस सदन के द्वारा देश को यह विश्वास देंगे कि हर जगह लैटर बाक्स लगेगा और रोज डाकिया उसमें से चिट्ठियां ले जायेंगी ? कम-से-कम यह सुविधा होगी या नहीं ?

**श्री ब्रज लाल वर्मा :** मैं माननीय सदस्य को यह बता देना चाहता हूँ कि इस साल इसी फाइनेन्शियल ईअर में ही हम एक लाख गांवों में लैटर बाक्स दे रहे हैं और इस वर्ष हम 50 हजार गांवों में आल पोस्टल फैसिलिटीज दे रहे हैं, जो किगत 10 वर्षों में भी नहीं हुआ था । उस के बाद जैसी की सदस्य की मान्यता है कि हम गांव की ओर ध्यान अवश्य दें, उसी ध्यान से सारी चीजें कर

रहे हैं और कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा गांव के लोगों को फैसिलिटीज मिलें ।

**श्री फिरंगी प्रसाद :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार ने नये डाकखाने खोलने के लिए जो नियम या मापदंड बनाये हैं, वे क्या हैं । क्या जनप्रिय सरकार उन्हें और सरल बनाने की व्यवस्था करेगी, ताकि ग्राम जनता को पत्र आदि नियमित रूप से मिलते रहें ?

**श्री ब्रजलाल वर्मा :** अभी तक जो व्यवस्था है, उस के अनुसार हम कोशिश कर रहे हैं कि इस साल 96 परसेंट गांवों में रोज डाक आदि मिल सके । इसके अलावा हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा गांवों में अपनी सुविधायेँ दे सकें । माननीय सदस्य चाहते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा पोस्ट आफिसिज खोलें । इस ओर भी हम ध्यान दे रहे हैं ।

**श्री फिरंगी प्रसाद :** नये डाकखाने खोलने के बारे में जो मापदंड रखा गया है, मैंने उस के विषय में पूछा है ।

#### Reorganization of G.S.I.

\*66. **SHRI R. L. P. VERMA:** Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether a high-power Committee has been constituted for the re-organisation of the Geological Survey of India; and

(b) if so, what is its composition?

**THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK):** (a) Yes, Sir.

(b) A statement indicating the information is laid on the table of the House.